901

801(HA)

2018

हिन्दी

केवल प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट 　　　　　　　　　　पूर्णांक : 70

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचान कर लिखिए : 　1
   (i) डॉ. रामविलास शर्मा जाने-माने आलोचक हैं।
   (ii) पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी प्रसिद्ध नाटककार हैं।
   (iii) 'भारतीय संस्कृति' के लेखक डॉ. रामधारी सिंह 'दिनकर' हैं।
   (iv) 'चिन्तामणि' निबन्ध के लेखक वियोगी हरि हैं।

   (ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी एक कृति के लेखक का नाम लिखिए : 　1
   (i) ठूँठा आम
   (ii) रेती के फूल
   (iii) कानन कुसुम
   (iv) दुनिया रंग-बिरंगी

   (ग) 'जंजीरें और दीवारें' किस विधा पर आधारित रचना है ? 　1

   (घ) 'मेरी अपनी आत्मकथा' के लेखक का नाम लिखिए। 　1
   (ङ) हिन्दी के किसी एक संस्मरण लेखक का नाम लिखिए। 　1

2. (क) प्रयोगवादी काव्य की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 　2
   (ख) रीतिकाल की कोई प्रमुख दो प्रवृत्तियाँ लिखिए। 　2
   (ग) छायावाद के किसी एक कवि का नामोल्लेख कीजिए। 　1

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 　2 + 2 + 2 = 6

   (क) जो तरुण संसार के जीवन-संग्राम से दूर हैं, उन्हें संसार का चित्र बड़ा ही मनमोहक प्रतीत होता है। जो वृद्ध हो गये हैं, जो अपनी बाल्यावस्था और तरुणावस्था से दूर हट आए हैं, उन्हें अपने अतीत काल की स्मृति बड़ी सुखद लगती है। वे अतीत का ही स्वप्न देखते हैं। तरुणों के लिए जैसे भविष्य उज्ज्वल होता है वैसे ही वृद्धों के लिए अतीत। वर्तमान से दोनों को असन्तोष होता है। तरुण भविष्य को वर्तमान में लाना चाहते हैं और वृद्ध अतीत को खींचकर वर्तमान में देखना चाहते हैं। तरुण क्रान्ति के समर्थक होते हैं और वृद्ध अतीत-गौरव के संरक्षक। इन्हीं दोनों के कारण वर्तमान सदैव क्षुब्ध रहता है और इसी से वर्तमान काल सदैव सुधारों का काल बना रहता है।

   (i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
   (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
   (iii) युवा और वृद्ध व्यक्तियों के वैचारिक अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

(ख) उच्च और महान कार्य में इस प्रकार सहायता देना, मन बढ़ाना और साहस दिलाना कि तुम अपनी निज की सामर्थ्य से बाहर काम पर जाओ। यह कर्तव्य उसी से पूरा होगा, जो दृढ़-चित्त और सत्य संकल्प का हो। इससे हमें ऐसे ही मित्रों की खोज में रहना चाहिए, जिनमें हमसे अधिक आत्मबल हो। हमें उनका पल्ला उसी तरह पकड़ना चाहिए, जिस तरह सुग्रीव ने राम का पल्ला पकड़ा था। मित्र हों तो प्रतिष्ठित और शुद्ध हृदय के हों, मृदुल और पुरुषार्थी हों, शिष्ट और सत्यनिष्ठ हों, जिससे हम अपने को उनके भरोसे पर छोड़ सकें और यह विश्वास कर सकें कि उनसे किसी प्रकार का धोखा न होगा।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(iii) अच्छे मित्र का क्या कर्तव्य होना चाहिए ?

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए और उसका काव्यगत सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : 1 + 4 + 1 = 6

(क) बुरौ बुराई जो तजै, तौ चित्त खरौ डरातु।
ज्यौं निकलंक मयंक लखि, गनै लोग उतपातु ।।
स्वारथु सुकृतु, न श्रमवृथा, देखि बिहंग बिचारि।
बाज पराऐं पानि परि, तूँ पच्छीनु न मारि ।।

(ख) निर्भय स्वागत करो मृत्यु का,
मृत्यु एक है विश्राम स्थल।
जीव जहाँ से फिर चलता है,
धारण कर नव जीवन सबल ।।
मृत्यु एक सरिता है, जिसमें
श्रम से कातर जीव नहाकर।
फिर नूतन धारण करता है,
काया रूपी वस्त्र बहाकर ।।

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय दीजिए और उनकी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1 = 3

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

(iii) डॉ. रामधारी सिंह 'दिनकर'

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन परिचय दीजिए तथा उनकी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1 = 3

(i) तुलसीदास

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) माखनलाल चतुर्वेदी

6. निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1 + 3 = 4

अन्ततः भोजनं बिना सकलः समाजः सुप्तः अभवत्। इमानि यन्त्राणि अत्र केवलम् इदं विज्ञापयितुं प्रचलन्ति यद् अन्यस्य कस्यचित् लोकस्य मानवः इदं तथ्यं जानीयात् अस्माकं सन्देशं च गृह्णात्। अचिरमेव इदं सर्वं स्वमेव विनङ्क्ष्यति। एवं विज्ञाय सः ध्वनिः सहसा विरतः तत्र कोऽपि महान् घर्घरनादः च उत्थितः। अहमपि भूमौ अपतम्। तदा मया ज्ञातं यद् अहम् एकं विचित्रं स्वप्नम् अपश्यम्। अहं वारं वारम् अचिन्तयं यदि वयमपि अन्नोत्पादने रक्षणे च सावधाना न भवेम तर्हि अस्माकं पृथिवी लोकः अपि तथैव संकटापन्नः भविष्यन्ति।

अथवा

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत् ।।

7. (क) अपनी पाठ्य-पुस्तक से कण्ठस्थ कोई श्लोक लिखिए जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो। 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1 + 1 = 2

(i) वाराणसी नगरी केषां संगम स्थली अस्ति ?

(ii) प्रहेलिकायाः किम् उत्तरम् आसीत ?

(iii) भारतीय संस्कृतिः कीदृशी अस्ति ?

(iv) तृणात् बहुतरं किम् अस्ति ?

8. (क) 'हास्य रस' अथवा 'करुण रस' की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ख) 'रोला' अथवा 'सोरठा' की परिभाषा सोदाहरण लिखिए। 2

(ग) 'रूपक' अथवा 'उपमा' अलंकार की परिभाषा लिखकर उसका उदाहरण भी दीजिए। 2

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए : 1 + 1 + 1 = 3

(i) अन (ii) अप (iii) निर्

(iv) अभि (v) उप (vi) अ

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए : 1 + 1 = 2

(i) ता (ii) पन (iii) आई

(iv) वट (v) त्व (vi) हट

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का समास-विग्रह कीजिए और समास का नाम भी लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) तिरंगा (ii) देश-विदेश (iii) प्रधानमंत्री

(iv) मृगनयन (v) पंकज (vi) सप्तसिन्धु

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के तत्सम रूप लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) गेहूँ (ii) धान (iii) नखत

(iv) कन्धा (v) हल्दी (vi) वाती

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) अश्व (ii) कामदेव (iii) पृथ्वी

(iv) मेघ (v) जल (vi) वायु

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) अति + आचार (ii) प्रति + एक

(iii) तथा + एव (iv) दंत + ओष्ठ

(ख) निम्नलिखित शब्दों के रूप पंचमी विभक्ति द्विवचन में लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) मधु अथवा युष्मद्

(ii) फल अथवा पयस्

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए : 2

(i) भवताम्

(ii) हसेयम्

(iii) द्रक्ष्यथ

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) सदा सत्य बोलना चाहिए।

(ii) वाराणसी गंगा तट पर स्थित है।

(iii) वह दिल्ली गया।

(iv) छात्र मैदान में खेलते हैं।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

(i) यातायात की समस्याएँ एवं उनका निराकरण

(ii) सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा

(iii) राष्ट्रीय एकता का महत्त्व

(iv) बाढ़ का विनाशकारी दृश्य

(v) पर्यावरण प्रदूषण : समस्या एवं रोकथाम

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए : 3

(क) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर गांधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ख) (i) 'ज्योति-जवाहर' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'ज्योति-जवाहर' खण्डकाव्य के जिस पात्र ने आपको सबसे अधिक प्रभावित किया हो, उसका चरित्रांकन कीजिए ।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर शिशुपाल का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(घ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर किसी प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए जिसने आपको प्रभावित किया हो ।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाषचन्द्र बोस की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक लिखिए ।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर द्वितीय सर्ग की कथावस्तु का उल्लेख कीजिए ।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताओं को लिखिए ।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथा-सार अपने शब्दों में लिखिए ।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य की जिस घटना ने आपको प्रभावित किया हो उसका वर्णन कीजिए ।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।